② ①

①

Ques: What are the different criteria of Abnormality.
or
Explain the different views of Abnormality.
or
"Normal differs with abnormal in degree not in kind". Explain.

Ans:— व्यक्ति के Behaviours दो प्रकार के होते हैं— Abnormal और Normal. व्यक्ति समाज के (Social law) कानून के अनुसार जब काम करता है तो उसे normal और उसके apposite करने पर Abnormal कहते हैं। शायद इसीलिए कहा जाता है कि Abnormal is the exaggerated form of normality. साथ ही abnormal व्यक्ति शारीरिक दृष्टि से भी normal व्यक्ति से अलग होता है। अतः स्पष्ट है कि abnormal normal से degree और kind दोनों में अलग होते हैं। "Abnormality differ in kind and degree both". इस प्रकार हम देखते हैं कि abnormality के कुछ मापदण्ड हैं जिसके कारण से वह abnormal कहलाते हैं। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने abnormality को विभिन्न ~~विभिन्न~~ point of view से स्पष्ट करने की कोशिश की है:—

① Subjective view point:— यह दृष्टिकोण काफी old हो चुका है। आरम्भ में लोग इसी view के आधार पर abnormal behaviour को measure किया करते थे। इसमें एक standard मान लिया जाता था और उससे मेल खाने वाले Behaviour को normal तथा इसके विपरीत को abnormal समझा जाता था। लेकिन यह view कुछ ही दिनों तक मान्य रहा। बाद में लोगों ने इसे यह कह कर ठुकरा दिया कि इसमें Judge का Behaviour ही standard होता है। और हो सकता है कि Judge का Behaviour ही abnormal हो या कोई और अन्य दोष हो।

② Social view point:— इस view के अनुसार abnormal behaviour को social custom के आधार

Scanned with CamScanner

पर explain किया गया है। इस view के अनुसार— "when a person behaves in conformity with the social standard its rules and regulation, he is regarded as a normal and when he behaves otherwise, he is regarded as an abnormal."

यह view point कुछ हद तक तो abnormal behaviour को explain कर लेता है लेकिन कभी-कभी इसमें कुछ दोष देखे जाते हैं जिनको neglect नहीं किया जा सकता है। इस view के अनुसार social custom ही abnormal का standard है। लेकिन हम जानते हैं कि हर समाज के custom अलग-अलग होते हैं। एक ही law एक समाज में normal होता है तो दूसरे समाज में abnormal। जैसे, हिन्दुओं के यहाँ पति के मरने के बाद पत्नी को दूसरी शादी करना abnormal है लेकिन मुसलमानों के यहाँ normal। इस प्रकार इस view point को भी satisfactory नहीं माना जा सकता है।

③ Ethical view point:— कुछ मनोवैज्ञानिकों ने abnormal behaviour की जाँच ~~Ethic~~ ethical standard के आधार पर करने की कोशिश की है। इस view के अनुसार— "A person who acts in accordance with his ethics, religion and culture, is normal, while he who deviates is abnormal."

इस प्रकार हम देखते हैं कि जिस मनुष्य का behaviour ethical laws के अनुसार होता है उसे normal और जिस व्यक्ति का behaviour इसके विरुद्ध होता है उसे abnormal कहते हैं।

लेकिन यह view भी शायद satisfactory explanation देने से कतराता

Scanned with CamScanner

है। इसमें सबसे पहला दोष तो यह नज़र आता है कि psychology एक positive science है और amoral, immoral से कोई relation नहीं है। दूसरी बात यह है कि यह view भी social view की तरह ही है क्योंकि normal standard की पैदावार समाज के द्वारा होती है। और अगर इसे समाज से अलग कर दिया जाए तो इसका अपना कोई existence नहीं रह जायेगा।

④ Statistical view point :— इस view के अनुसार जिस व्यक्ति का behaviour individual के औसत behaviour से अलग होता है उसे Abnormal कहते हैं। इस view के अनुसार — "Abnormal behaviour differ from the normal in degree and not in kind." इसे एक graph के द्वारा और भी स्पष्ट किया जा सकता है।

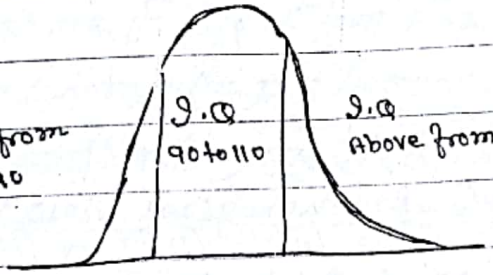

इस प्रकार जिस व्यक्ति का I.Q 90 से कम या 110 से अधिक हो तो उसे abnormal समझा जाएगा। उपरोक्त graph से स्पष्ट है कि Individual का औसत I.Q 90 से 110 के बीच ही होता है। पूरे समाज में 90 से कम और 110 से अधिक I.Q वालों की संख्या बहुत कम है। इस प्रकार इस view के अनुसार normal और abnormal को समझने में बड़ी सहायता मिलती है। लेकिन यदि हम गौर से देखें तो हमें इस view में भी कुछ खामियाँ नज़र आती हैं जिन्हें ignore नहीं किया जा सकता है।

पहला दोष तो यह कि इस view के अनुसार कुछ खास characteristics के आधार पर

Scanned with CamScanner

normal और abnormal का adjustment किया जाता सकता है। मुमकिन है कि कोई एक व्यक्ति एक गुण में Average से कम हो तो दूसरे में Average से अधिक। उदाहरण के लिए एक लड़का अगर math में कमजोर है और दूसरे विषय में strong – तो ऐसी हालत में normal या abnormal का फैसला देना कठिन महसूस होगा।

दूसरा दोष यह है कि normal और abnormal के बीच कोई deviding line नहीं खींची जा सकती जिससे कम वाले को abnormal और अधिक वाले को normal कहा जाए। वैसे कुछ लोगों ने 90-110 से नीचे और अधिक वाले को abnormal के श्रेणी में रखा है लेकिन इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

तीसरी बात यह है कि यह view normal और abnormal में केवल degree का फर्क मानता है जबकि इसमें reality नहीं है। हम अच्छी तरह जानते हैं कि normal और abnormal में degree और kind दोनों का अन्तर होता है।

⑤ Psychological view point :— यह view physical structure या Bodily organization को ही Abnormal का आधार मानता है। इसके अन्तर्गत सात फीट से लम्बे और तीन फीट के बौने को abnormal कहा जायेगा। लेकिन यह view सरासर बेबुनियाद लगता है क्योंकि केवल लम्बाई, चौड़ाई और मोटाई के आधार पर किसी को normal या abnormal कहना उचित न होगा। कुछ लोगों ने abnormality का आधार Adjustment को भी माना है। जो व्यक्ति समाज और अपनी समस्याओं के साथ successfully adjustment कर लेता है उसे normal और जो नहीं कर पाता उसे abnormal कहा गया है। दूसरी ओर कुछ लोगों ने extrovert personality वाले को normal और introvert

Scanned with CamScanner

personality वाले को abnormal की category में रखता है।
लेकिन इन सब बातों में भी reality नहीं झलकती और इस
प्रकार इस view को भी satisfactory नहीं माना जा सकता।

(6) Pathological view point :— इस view point
mental disorders को abnormality का आधार मानता है।
अर्थात जो लोग mental disorders के शिकार होते हैं
उन्हें ही abnormal कहा जायेगा। यह रोग दो प्रकार के होते
हैं — Psychoses और Psychoneuroses. जो व्यक्ति इन
रोगों के शिकार होते हैं उनका Behaviour स्पष्टतः सामान्यों
से अलग हो जाता है। इन्हें वातावरण और अपनी समस्याओं
के साथ adjustment में भी कठिनाई होती है।

इस view को बहुत अर्थों में satis-
-factory माना जा सकता है क्योंकि यह normal और
abnormal में qualitative और quantitative दोनों
प्रकार का भेद मानता है। इसके view के [illegible]